

(vi) ब्राव्य समूह/पाम्यांग ने लिस एक शक्य-

जा दो या दो से अधिक शब्द मिलकर एक समूह का बोध कुराले हैं और उस समूह को एक शब्द के द्वारा अर्थबोध करा दिया जाला है ले उसे शब्द समूह या वाक्यांश के लिस एक शब्द कहते हैं-प्रिन आदि से अन्त लक - आद्योपान्त अन्य से सम्बन्ध न रखने वाला - अनन्य



(भम्बे और विखरे वालें वाला - ब्यवरा से उत्पन्न पुत्र — औरस पुत्र अगहन और प्रस मार्ट में पड़ने वाली अरतु अनेक राष्ट्रों में आपस में होने वाली बाल-अन्तरराष



जिस स्त्री का पित अभी-अभी विदेश से आया हो - आजलपतिका जिस स्त्री का पति अभी- अभी विदेश गया हो -प्रोषित पतिका जिस स्त्री का पति अभी-अभी विदेश में अस गया हा-अपूरापिक प्रित के उपर की समलस भूमि - अधित्यका पवित के नीचे की समतम भूमि - उपत्यका अनिश्यित जीविका – आकाश शनि आम का वगीचा – अभराई



अँगुमियों में टोने वासा फोड़ा - इकीता. ईखर पर विखास नहीं करने वाला - जास्तिक इस्लाम पर् विश्वास नहीं करने वाला - नेहित्र उतरती युवावस्था का - अधेरः रेसा ग्रहण जिसमें सूर्य या चन्द्रमा का प्ररा बिम्ब जा कल्पना से परे हो - कल्पनातीत



किसी काम में दूसरे से वड़ने की इच्छा- स्पद्धी किसी कार्य के व्यवसे दी जाने वासी यात्री - अनुदान मत्या प्रस्ताव कां समर्थन करने की प्रक्रिया-अनुमोदन किसी वस्तु को पाद्त करने की मीव्र इच्छा- अभीप्सा किसी का उपकार मानने वाला - क्रतज्ञ किसी का उपकार न मानने वासा - क्रतहन कुरुग स्वर चिल्लाना - चीत्कार



किसी के पास रखी हुई इसरे की वस्तु-धारी।धरोहर।अमानल कम खर्च करने जामा - अल्पव्यर्थ अधिक खर्च करने वासा - अपव्यय सोच-समझकर् खर्च करने वामा-स्त्रियों के जैसे आचरण वाला - स्त्रे कुबर्का वंगीया



कुबेर का विमान - जसकुबर बोर् का पुत्र - हई बात को बार्-बार् कहना किसी आरोप के अदले किया गया आरोप - प्रत्यारोप कालां पानी की सजापाद्य कैपी - दामुल कैपी कुट्ड खांस शारी पर किसी से कार्य कुराना -धरती और आकाश के बीच का स्थान-अंतरिक्ष और आकाश के मिलन का स्थान-



अपने अस पर निर्भर्रहने वासा - उगत्मिनिर्भर आवश्यकता से अधिक वर्षात - अतिष्ठि अभिनय करने याग्य - अभिनय के समान गरंरा भाष रैंग - शोण तिमान पुरुष — यशस्वी, कम्बोलनेवाषा- भितभाषी